पंखुड़ी

सहायक पुस्तिका

भाग-6

पंखुड़ी-6

पाठ-1 नव-निर्माण

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) देश का नवनिर्माण करने के लिए
2. (i) देश का नवनिर्माण करने के लिए
3. (i) भारतभूमि की संपत्ति

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मुरझाए हुए फूलों को नव मुस्कान से भरने के लिए हमें नयी उमंग और आशा को भरना होगा।
2. मनुष्य में नयी सोच को भरकर हम नया राग व नव गान भर सकते हैं।
3. धरती माँ की काया सुनहरी करने सक कवि का उद्देश्य–धरती माता के ऊपर रंग–बिरंगे सुंदर फूल खिलाने से है।
4. जब हम अपनी नई सोच, नई उमंगों से भरी आवाज़ों को उजागर करेंगे तो ही जग रूपी बगीगे (उद्यान) को इन आवाज़ों से गुंजित करना संभव हो पाएगा।
5. कवि देश के नवयुवकों को देश के नव–निर्माण करने का संदेश दे रहा है।

ग. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. सरस्वती के पावन मंदिर द्वारा ही नवयुवकों को ज्ञान, नई चेतना नव–निर्माण करने की क्षमता मिलती है इसलिए उस मंदिर को नवयुवकों की संपत्ति कहा गया है।
2. सरस्वती के पावन मंदिर की।
3. नवयुग के आह्वान से कवि का तात्पर्य– नए युग की की पुकार से है।

4. बालकों को।

5. बालकों को।

घ. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

1. युग–युग ..... मुस्कान भरो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि नई मधुर मुस्कान युगों–युगों से मुरझाए हुए फूलों में भरी दो अर्थात् उनमें आत्मविश्वास की नई उमंग भरो। जो अधिक समय से दुखों के सागर में डूबे हुए हैं।

2. नवयुग की नूतन ..... नव गान भरो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का ाव यह है नई चेतना आ जाने के कारण सबकी वाणी में भीआत्मविश्वास, प्रेम की धारणा जागृत हो, सबकी बोंली में कोयल की बोली की तरह मिठास हो। नयी सोच हो।

3. नूतन मंगलमय ..... जग–उद्यान करो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि जिस प्रकार बाग उपवन में पक्षियों की आवाज़ें गुंजित होती हैं, उपवनों को मंगलमय करती है उसकी प्रकार हे वीर सपूतों! तुम अपनी नई धारणाएँ, नई सोच इस संसार रूपी बगीचे में गूँज दो जिससे सभी को उससे प्रेरणा मिले।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

पावन	–	पवित्र	गंगा एक पावन नदी है।
संपत्ति	–	धन–दौलत	सेठ के पास बहुत संपत्ति है।
पुजारी	–	पंडित	मंदिर का पुजारी दयावान होना चाहिए
दीप	–	दीपक	हर घर में दीप जल रहे थे।

ख. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

धरा	–	भूमि	प्रांत	–	राज्य
सुमन	–	फूल	विहग	–	पक्षी
नूतन	–	नया	जग	–	संसार
उद्यान	–	बगीचा	पावन	–	पवित्र

ग. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

निरमाण	–	निर्माण	स्फूर्ति	–	स्फूर्ति
ज्योती	–	ज्योति	तरंगें	–	तरंगे
सूमन	–	सुमन	मूस्कान	–	मुस्कान
नुतन	–	नूतन	विणा	–	वीणा

घ. कोष्ठक में दिए गए क्रिया शब्दों की सहायता से दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए–

1. मुझे अखबार पढ़ना है, कृपया लाओ।
2. पानी बहुत गरम है, मैं पीना नहीं चाहता।
3. हम चिड़ियाघर देखने जाएँगें।
4. प्रत्येक मनुष्य को अपना जीवन लक्ष्य चुनना पड़ता है।
5. हमें प्रतिदिन नहाना चाहिए।

ङ. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–

1.	जिस आदमी में लालच होता है	–	लालची
2.	जो व्यक्ति लोभ करता है	–	लोभी
3.	जिस व्यक्ति में स्वार्थ होता है	–	स्वार्थी
4.	अन्याय करने वाला व्यक्ति	–	अन्यायी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–2 वीर बहादुर सिंह

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	(i)	नाम	2.	(ii)	अपने दो दाँत
3.	(iii)	लाटसाहब	4.	(iii)	दक्षिणा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बुद्धा लाल महाशय अपनी माँ से अपना नाम बुद्ध रखने की वजह से नाराज़ होते थे।
2. बुद्धा लाल महाशय पुरोजित के पास अपना नाम बुद्धा रखने की वजह से भिड़ने गए।
3. बुद्धा लाल ने सोचा क्यों न भैंसे से लड़कर ही मैं वीर बहादुर सिंह कहला सकता हूँ यह सोचकर उसके चेहरे पर निखार आ गया।
4. वीर बहादुर सिंह कहलाने की लालसा ने इसलिए दम तोड़ दिया क्योंकि बुद्धा लाल को भैंसे ने बहुत घायल कर दिया था।

5. जब लोगों ने बुद्धा लाल की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप साँप को पकड़कर बाहर निकाल दो यह सुनकर बहादुर सिंह को लगा कि वे बैठ-बिठाए झूठी वीरता के चक्कर में पड़कर मुसीबत में पड़ गए।

6. पुरोहित जी ने बुद्धा लाल महाशय को समझाया कि कर्म से तो मनुष्य अपना भाग्य बदल सकता है। तुम ऐसे कर्म करो कि लोग तुम्हें बुद्धा की जगह बहादुर सिंह कहें।

7. बहादुर सिंह का खिताब पाने के बाद बुद्धा लाल महाशय फूला न समाते और साथ ही साथ उनकी छाती छह इंच फूलकर छत्तीस इंच की हो जाती थी।

8. अपनी झेंप मिटाने के लिए बुद्धालाल महाशय ने साँप को देवता मानकर उस ने मारने का बहाना बनाया।

9. सब लोगों को जब यह असलियत पता चली कि बुद्धा लाल नहीं अपितु महाडरपोक है और वह वीर होने का दिखावा कर रहा था तो सबसे उसे 'डरपोक वीर बहादुर सिंह' का खिताब दिया।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

1. लोग पागल भैंसे से बचने के लिए भाग रहे थे।
2. बुद्धा लाल महाशय के चेहरे पर दिल में उत्साह भरने पर निखार आ गया।
3. बुद्धा लाल की काया डर के मारे काले भैंसे को देखकर थरथराने लगी।
4. बुद्धा लाल की वीर बहादुर कहलाने की लालसा ने दम तोड़ दिया क्योंकि वह भैंसा उसे सँभलने का भी मौका नहीं दे रहा था।

घ. किसने, किससे कहा–

	किसने	किससे
1.	बुद्धा लाल ने	अपनी माँ से
2.	माँ ने	बुद्धा लाल से
3.	बुद्धा ने	पुरोहित से
4.	पुरोहित ने	बुद्धा लाल को
5.	बुद्धा लाल ने	लड़कों को
6.	लड़कों ने	बुद्धा लाल से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में से उचित जातिवाचक व व्यक्तिवाचक संज्ञा छाँटिए–

1. माँ – जातिवाचक
2. बुधवा नक्षत्र – व्यक्तिवाचक
3. साँप – जातिवाचक
4. हरिद्वार – व्यक्तिवाचक
5. भैंसे – जातिवाचक

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सिक्का जमाना – हुकूमत करना
   कक्षा का मॉनीटर सब बच्चों पर अपना सिक्का जमाता है।
2. कचूमर निकालना – नष्ट करना
   बड़े ट्रक ने साइकिल का कचूमर निकाल दिया।
3. यमलोक पहुँचना – मर जाना
   सेठ जी तो इतनी सी उम्र में ही यमलोक पहुँच गए।
4. भीगी बिल्ली बन जाना – डरना
   चोर पकड़े जाने पर भीगी बिल्ली बनकर बैठ गया।

ग. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

1. निहत्ते – निहत्थे
2. महास्य – महाशय
3. शंस्कार – संस्कार
4. पूरोहित – पुरोहित
5. गद्रन – गर्दन
6. प्रर्दसन – प्रदर्शन

घ. पाठ में से योजक चिह्न (-) वाले 2 दो शब्द छाँटकर लिखिए– जैसे : माता-पिता

भागो-भागो हटो-बचो

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 हृदय परिवर्तन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) रंग
2. (iii) मंदिर में
3. (ii) घटा को
4. (iii) खड्गसिंह का
5. (i) अपाहिज

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. डाकू खड्गसिंह बाबा भारती के घोड़े सुलतान की कीर्ति सुन उसे देखने के लिए अधीर हो उठा।
2. बाबा भारती अपना घर, ज़मीन सब छोड़ कर गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे।
3. सुलतान को देखकर खड्गसिंह सोचने लगा कि ऐसा विचित्र घोड़ा तो मेरे पास होना चाहिए।
4. सुलतान को खोने के डर से बाबा भारती की रातों की नींद उड़ गई।
5. बाबा भारती के अनुसार सुलतान एक विचित्र जानवर है। जो भी उसे देखता है प्रसन्न हो जाता है। उसकी चाल मन मोह लेती है।
6. खड्गसिंह ने सुलतान को पाने के लिए एक अपाहिज का रूप धारण किया और बाबा भारती से प्रार्थना कर सुलतान पर सवार हो गया। पर जैसे ही सुलतान की लगाम उसके हाथों में आयी वह सुलतान को लेकर भाग गया।
7. बाबा भारती खड्गसिंह से प्रार्थना करते हुए बोले कि इस घटना का वर्णन किसी के सामने न करना वरना किसी का दीन–दुखी पर से विश्वास उठ जाएगा।
8. अपाहिज को घोड़े पर बैठा लेना बाबा भारती के चरित्र की दयालुता दयाभाव आदि विशेषता को उजागर करता है।

ग. गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क. चौथे पहर में बाबा ने स्थान किया।
   ख. अस्तबल की ओर।
   ग. सुलतान की याद आने के कारण वे निराश थे।
   घ. बाबा सुलतान को अस्तबल में बँधा देख विस्मित हुए।
   ङ. बाबा संतुष्ट थे कि अब कोई दीन–दुखियों की सहायता से मुँह नहीं मोड़ेगा।
2. क. बाबा भारती ने गर्व से घोड़ा दिखाया क्योंकि वह घोड़ा सुलतान विचित्र घोड़ा था।
   ख. खड्गसिंह को आश्चर्य हुआ कि इस साधु को ऐसे घोड़े की क्या आवश्यकता।
   ग. खड्गसिंह सोचने लगा कि यह घोड़ा तो मेरे पास होना चाहिए था।
   घ. खड्गसिंह की यह बात सुन कि घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा बाबा का मन अधीर हो गया।
   ङ. खड्गसिंह उस सुलतान घोड़े को हथियाना चाहता था।

भाषा और व्याकरण

क. विलोम शब्द–

नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1.	अधीर	– धीर	2.	सावधान	– सतर्क
3.	प्रसन्न	– अप्रसन्न	4.	भय	– निर्भय
5.	अधिकार	– अनाधिकार	6.	सामान्य	– असामान्य
7.	विश्वास	– अविश्वास	8.	आरंभ	– अंत

ख. क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाई जाती हैं।

इसी प्रकार, निम्नलिखित क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

1.	दौड़ना	– दोड़	2.	पुकारना	– पुकार
3.	चीखना	– चीख	4.	समझना	– समझ

ग. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए–

1. लट्टू होना –
   खड्गसिंह सुलतान पर लट्टू हो गया।
2. हृदय पर साँप लोटना –
   सुलतान की चाल देख खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया।
3. दिल टूट जाना –
   परीक्षा में बेटे के कम नं. आने पर माता–पिता का दिन टूट गया।
4. मुँह मोड़ना –
   रीता ने अपनी सहेली से कुछ पैसे उधार माँगें तो उसने मुँह मोड़ लिया।

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1.	आनंद	–	खुशी	हर्ष
2.	विस्मय	–	आश्चर्य	हैरानी
3.	कीर्ति	–	यश	ख्याति
4.	रात्रि	–	रात	निशा

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 सबसे बड़ा साधु

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) पत्नी 2. (iii) किसान
3. (i) देवता

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मूसलाधार बारिश होने से गाँव के पास वाली नदी में बाढ़ आ गयी थी।
2. गाँव को बहने से किसान और उसके परिवार ने बचाया उन्होंने टूटे हुए किनारे से जहाँ से पानी आ रहा था वहाँ पर मिट्टी डालनी शुरू कर दी।
3. साधु ने किसान को एक सिद्ध महात्मा के रूप में देखा जिस कारण उसे रातभर नींद नहीं आयी।
4. नहीं, किसान के पास सच में कोई सिद्धि नहीं थी। वह बहुत मेहनती था ओर हर काम भगवान की आज्ञा मानकर करता था।
5. प्रस्तुत पाठ द्वारा लेखक हमें यह समझाना चाह रहे है। कि ईश्वर उसकी को सिद्धियाँ शक्तियाँ देते हैं जो कर्मयशील होते हैं। अपने कार्य को तन-मन सच्ची श्रद्धा और विश्वास से करने वाला इंसान ही आलौकिक शक्तियाँ प्राप्त कर सकता है।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

1. **आशय–** प्रस्तुत पंक्ति साधु ने किसान को देखकर अपने मन में महसूस की क्योंकि उस किसान ने अपनी मेहनत से लोगों की जान बचाई। जिस कारण उस तपस्वी साधु को वह कमज़ोर किसान देवता के रूप में लग रहा था। उस किसान ने अपनी जान में खेलकर दूसरों की जान बचाई।
2. **आशय–** यह पंक्ति किसान ने उस समय सोची जब वह यह अफसोस कर बैठा था कि वह अपने जीवन व कामों में इतना व्यस्त हो गया है कि भगवान की पूजा तक नहीं करता। वह किसान परिश्रमी था पर उसे यह बात चुभती रहती थी कि वह भगवान के ध्यान के लिए समय नहीं निकाल पाता।
3. **आशय–** इन पंक्तियों का आशय है कि साधु ने अपने को किसान के सामने बहुत छोटा महसूस किया। वह सोचने लगा कि यह किसान के पास क्या सिद्धि है जो मुझ जैसे तपस्वी के पास नहीं है। आज किसान के आगे वह सिद्धपुरुष तपस्वी तपस्वी अपने आप को तुच्छ समझने लगा।

घ. किसने, किससे कहा और क्यों?

	किसने	**किससे**
1.	साधु ने	किसान से
2.	किसान ने	साधु से
3.	गाँव वालों ने	साधु से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

1. सूर्य की प्रथम किरण ने **अंधकार** दूर भगाकर उजियारा कर दिया।
2. दवा खाने से ही रोगी व्यक्ति **निरोगी** हो सकता है।
3. उस अनाथ बच्ची को आसरा मिलते ही वह **सनाथ** हो गई।
4. गाँव में एक प्राचीन मंदिर था, **नवीन** इमारत नहीं थी।
5. किसान एक **सामान्य** व्यक्ति था, परंतु साधु असामान्य था।

ख. 'दिन' के आगे 'भर' जोड़ देने से 'दिनभर' बन जाता है। उसी प्रकार अलग-अलग प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

1. सामर्थ्य - सामर्थ्यवान 2. रात - राततक
3. घड़ी - घड़ीभर 4. एक - एकैक

ग. निम्नलिखित वाक्यों में इन नकारात्मक शब्दों का प्रयोग कीजिए–

1. मैं तुम्हें इतने पैसे **नहीं** दे सकता।
2. **न** पढ़ते हो, **न** खेलते हो, भला करना क्या चाहते हो?
3. छोटी बहन को जंगल में **मत** जाने दो।
4. राम से अब इतनी मेहनत **नहीं** हो पाती थी।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य अलग कीजिए–

	विशेषण	विशेष्य
1.	गरीब	किसान
2.	छोटे-छोटे	बच्चे
3.	अनाथ	बच्ची
4.	दो, पाँच	हाथ, मुँह
5.	मनोहर	कहानी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 नीड़ का निर्माण फिर-फिर

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. बह उठी आँधी कि **नम में**
   छा गया **सहसा अँधेरा**
   धूलि-धूसर बादलों ने
   भूमि को **इस भाँति घेरा**।
2. एक चिड़िया चोंच में
   तिनका **लिए जो जा रही है**
   वह सहज में ही पवन
   उनचास को नीचा दिखाती!

ख. निम्न पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए–

1. रात के डरावने भयभीत समय में प्रकृति का एक एक कण भी ऐसा लगता है कि वह भी डरा हुआ है परंतु जब पूर्व दिशा से सूरज की पहली किरण अपना आगमन करने लगती है तो ऐसा लगता है जीवन प्राण प्रकृति में फिर से वापिस आ गया। सूर्य की किरणों की मनमोहने वाली सुनहरी किरणें फैल जाती हैं।
2. आशा रूपी पक्षी तू ही बोल कि रात के पहर में किस जगह छिप जाता है। अदृश्य हो जाता है पर जब सूरज आसमान में निखरने लगता है तो तू भी वर्ग से इधर-उधर निडर विचरण करने लगता है।
3. अगर कहीं दुखों का सागर अपना स्थान बना चुका हो है तो इसका मतलब यह नहीं कि वो आजीवन रहेगा। जीवन में निर्माण रूपी सुख भी अपनी जगह बनाता रहता है।
4. पक्षी बार-बार अपने घोसले के अस्थिर होने पर उसे बार-बार बनाता है। उसको प्यार से संजोता है। अपनी मधुर आवाज़ से मौसम सुहावना करता है।

ग. कविता की उन पंक्तियों को लिखिए जिनमें निम्नलिखित भाव व्यक्त हुए हैं–

1. कुद्ध नभ के वज्र दंतों से उषा है मुस्कुराती।
2. नाश के दु:ख से कभी दबता नहीं निर्माण का सुख।
3. प्रलय की निस्तब्धता से सृष्टि का नवगान फिर-फिर।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित पंक्तियों में उस स्थल को रेखांकित कीजिए जहाँ अनुप्रास अलंकार का प्रयोग हुआ है।

1. नीड़ का <u>निर्माण फिर-फिर</u>
2. <u>धूलि-धूसर</u> बादलों ने
   भूमि को इस भाँति घेरा
3. किंतु प्राची से उषा की
   <u>मोहिनी मुस्कान</u> <u>फिर-फिर</u>

ख. 'इत' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

1.	निर्माण	=	निर्मित	2.	गर्व	=	गर्वित
3.	क्रोध	=	क्रोधित	4.	भ्रम	=	भ्रमित
5.	उदय	=	उदित	6.	सीमा	=	सीमित
7.	पाठ	=	पठित	8.	बाधा	=	बाधित

खेल-खेल में

1.	गंगा	2.	यमुना	3.	सतलुज
4.	सरयू	5.	मंदाकिनी	6.	कावेरी
7.	ब्रह्मपुत्र	8.			

पाठ-6 सच्चे मित्रों को पहचानों

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) एक 2. (ii) पढ़ाई में बुद्धू

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. किसान के बेटे का नाम नंदू था।
2. नंदू बड़े लाड-प्यार में पाला गया लेकिन पढ़ाई में बिल्कल बुद्धु था।
3. नंदू ने उत्तर दिया कि आपके सिर्पु दो दोस्त हैं पर मेरे पचास-साठ हैं। ज़रूरत पड़ने पर सब जान देने को तैयार हैं।"
4. नंदू के मित्रों की परीक्षा लेने के लिए किसान ने उसके दोस्तों से झूठ कहा कि– मेरे लड़के ने एक आदमी को लाठी से मार डाला है। अब तुम्हे इसे बचाना होगा।
5. नंदू के मित्रों ने उसके किए गए दंड से बचने के लिए उसे मित्र मानने से इंकार कर दिया।
6. किसान के मित्रों को सच्चा दोस्त इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि उन्होंने अपने मित्र को मुसीबत में देख उसकी सहायता करने को तैयार हो गए और जो मुसीबत के समय साथ दें वही सच्चा मित्र है।

ग. कल्पना की उड़ान–

छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

1. नंदू बड़े लाड-प्यार से पाला गया, लेकिन पढ़ाई में बुद्धू निकला।
2. कुछ लड़कों ने कहा– "अजी! हम आपके लड़के को जानते ही नहीं।"
3. अगर, मैं इस आफ़त के वक्त तुम्हारी मदद न करूँ तो हमारी दोस्ती का मतलब ही क्या रहा?
4. उस मित्र ने नंदू के पिता को गले लगाकर हिम्मत बँधाते हुए कहा– "मेरे दोस्त तुम्हें डरने की कोई बात नहीं।"
5. अपने पिता जी की बातें सुनकर नारायण गुस्से में आ गया और बोला– "बाबू जी! आपके सिर्फ़ दो ही दोस्त हैं मेरे पचास-साठ दोस्त हैं ज़रूरत पड़ने पर वे सब मेरे वास्ते जान देने को तैयार हैं।"

ख. निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए–

नराज	–	नाराज़	प्रनाम	–	प्रणाम
लढ़ाई	–	लड़ाई	पड़ाई	–	पढ़ाई
प्रमात्मा	–	परमात्मा	समाजिक	–	सामाजिक
कृया	–	कृपया	बीवी	–	बीबी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–7 आखिरी अभिलाषा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iv) पं० जवाहरलाल नेहरू
2. (iii) 14 नवंबर को
3. (ii) भस्त भारत की धूल और मिट्टी मिलकर भारत का अभिन्न अंग बने

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भारतीय जनता से मिले प्यार के बारे में नेहरू जी का कहना था कि मैं चाहे कुछ भी करूँ उसके अल्यांश का बदला नहीं चुका सकता, सच तो यह है कि प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया भी नहीं जा सकता।
2. प्रयाग की गंगा में भस्म विसर्जित करने के पीछे नेहरू जी की धारणा थी कि मेरी दृष्टि में कोई धार्मिक महत्व नहीं है। बचपन से ही इलाहाबाद की गंगा और यमुना नदियों से मेरा ममत्व रहा है।
3. नेहरू जी चाहते थे कि भारत उन बंधनों से अपने को मुक्त कर ले जो उसे जकड़े हुए है और जो आगे नहीं बढ़ने देते, जो लोगों में फूट डालते हैं इसलिए नेहरू जी ने भारत को प्राचीन परंपराओं से अलग करने की बात कही।
4. भारतीय संस्कृति को नेहरू जी एक निधि (खजाने) के समान मानते थे और साथ ही साथ उन्होंने भारतीय संस्कृति से प्रेरणा भी ग्रहण की है।

5. नेहरू जी की अंतिम इच्छा थी कि उनके मरने के बाद उनकी मुट्ठी भर भस्म इलाहाबाद के पास गंगा में प्रवाहित की जाए और शेष विमान द्वारा ऊपर से खेतों में बिखेर दिया जाए, जहाँ भारतीय किसान कड़ी मेहनत करते हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए–

1. उसकी एक मुट्ठी गंगा में **प्रवाहित** कर दी जाए।
2. **लोगों** को उस पर अपार **श्रद्धा** है।
3. वह मुझे नीचे के **उर्वर** और विस्तृत मैदानों की भी याद दिलाती रही है।
4. उस **श्रृंखला** को मैं कभी तोड़ना नहीं चाहूँगा।
5. जहाँ **भारत** के किसान मेहनत करते हैं।

घ. निम्नलिखित गद्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए–

गद्यांश का अर्थ– प्रस्तुत गद्यांश में नेहरू जी के कहने का अभिप्राय है कि भारतवर्ष जो कि अलग-अलग ऋतुओं का समावेश है वह खुद में अनोखा है इतिहास संबंधित पौराणिक कहानियों, गीतों व लोक-कथाओं ने मुझे हरपल प्रोत्साहित किया है। गंगा पवित्र नदी भी मेरे जीवन में अभिन्न स्थान प्राप्त कर चुकी है, जो कि आदिकाल से बहती हुई आ रही। इसने भारत के इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण जगह बनायी है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय और मूल शब्द को अलग-अलग करके लिखिए–

शब्द		मूलशब्द	प्रत्यय
इज़्ज़तदार	=	इज़्ज़त	दार
मोरनी	=	मोर	नी
कृपालु	=	कृपा	लु
पहाड़ी	=	पहाड़	ई
आखका	=	आख	का
खोर	=	ख	ओर
लेविना	=	लेव	इना
ख़तरनाक	=	ख़तर	नाक
गुणवान	=	गुण	वान

ख. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

बहुत-से रूप बदलने वाला	बहुरूपिया
साथ पढ़ने वाला	सहपाठी
अपनी इच्छा से काम करने वाला	इच्छुक
वह स्थान जहाँ दूर तक रेत ही रेत हो	रेगिस्तान
कम खर्च करने वाला	अल्पव्यापी

ग. निम्न शब्दों को एकवचन से बहुवचन में बदलिए–

एकवचन		बहुवचन
लड़का	=	लड़के
लड़की	=	लड़कियाँ
गाय	=	गाएँ
ताला	=	तालें
गधा	=	गधें
स्त्री	=	स्त्रियाँ
खिड़की	=	खिड़कियाँ
कविता	=	कविताएँ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 विद्यालय और अनुशासन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) पढ़ने में
2. (ii) माँ
3. (i) कच्चा
4. (i) किसान

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अनुशासन का अर्थ है– शासन के पीछे चलना अर्थात् नियमों का पालन करना।
2. अपने आचार्य से।
3. भोलानाथ की पत्नी मीरा, पाँच वर्षाय पुत्र दीपक और और एक कच्चा घर यही उसकी पूँजी थी।
4. पहला काम– भोलानाथ को खेतों पर रोटी पहुँचाने जाना। और दूसरा– दीपक को विद्यालय ले जाने और वापिस लाना था।
5. भोलानाथ का आचार्य उसका पुत्र दीपक था।
6. दीपक की पढ़ाई लिखाई का उसके माता-पिता पर बहुत प्रभाव पड़ा। रोज दीपक अपने पिता को कुछ न कुछ सिखाता। उसने सच में उनके जीवन में उजाला कर दिया था।

7. दीपक के जीवन में उसके आचार्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है क्योंकि उसके आचार्य ने उसे अनुशासन की प्रेरणा दी उसे सही गलत का ज्ञान कराया और उसको नियमों का ज्ञान कराया।
8. हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। अनुशासन प्रिय व्यक्ति सबका प्रिय बन जाता है। हम कोई गुण तभी प्राप्त कर सकते हैं जब हम अनुशासनप्रिय हों।

ग. किसने, किससे कहा–

	किसने	किससे
1.	दीपक ने	भोलानाथ से
2.	आचार्य ने	दीपक से
3.	दीपक ने	भोलानाथ से

घ. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

1. भोलानाथ ने दीपक को अपना आचार्य मान लिया।
2. लगातार मेहनत से भोलानाथ ने दो गाएँ खरीद ली और उनका दूध बेचकर पैसे कमाने लगा।
3. वे तीनों गाय के दूध को खूब पीते और जो बचता बेचते।
4. भोलानाथ ने दीपक से नियम का पालन करना सीखा।

भाषा और व्याकरण

क. छात्र स्वयं करें।

ख. छात्र स्वयं करें।

ग. निम्नलिखित क्रिया शब्दों का धातु रूप लिखिए–

1.	लिखना – लिख	2.	हँसना – हँस
3.	बोलना – बोल	4.	देखना – देख
5.	पिया – पी	6.	चला – चल

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

1. मैं, तुम और वह शाम को घूमने जाएँगे।
2. माँ ने पूछा, "आज घर वापिस आने में देर कैसे हो गई?"
3. आचार्य जी ने कहा– "सदा नियमों का पालन करते रहो।"
4. राम बाज़ार से दो किलो, आटा, तीन किलो चीनी और दो लीटर दूध ले आओ।
5. माता–पिता, भाई–बहन, दादा–दादी सबकी इज्ज़त करो।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–9 रेगिस्तान के जीव–जंतु

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	(i) वन	2.	(ii) ज़मीन के नीचे बिल में
3.	(ii) ज़हरीले	4.	(iii) ऊँट

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रेगिस्तान एक सूखा स्थान है। धरती के अन्य भागों में रहने वाले जीव–जंतुओं की तरह रेगिस्तान के जीव–जंतुओं को भी पानी की आवश्यकता होती है।
2. रेगिस्तान में कहीं–कहीं छोटी झील भी होती है जहाँ वहाँ के जीव–जंतु आकर अपनी प्यास बुझाते हैं।
3. ज़मीन में होने वाले कंपन की सहायता से साँप–अपने आस–पास के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।
4. नेवला गोबरैल, मिलीपीड तथा अन्य छोटे जीवों का शिकार करते हैं। वे अपनी आवाज़ से अपने साथियों को सूचना देते हैं।
5. मादा नेवला अपने बच्चों को दीमक के पुराने ढूह या खोरपले तने में जन्म देती है। जब एक नेवला भोजन की तलाश में जाता है तो दो पुरुष नेवला बच्चों की रखवाली करता है। वे बच्चों को अकेला नहीं छोड़ते।
6. ऊँट के कूबड़ में वसा भरी होती है। भोजन के अभाव की स्थिति में इसी वसा से ऊँट पोषण प्राप्त करता है।
7. मैदानी भागों में जहाँ हरियाली ही हरियाली अपनी छटा बिखेरती है। चारों तरफ़ वन, पेड़–पौधे नज़र आते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर रेगिस्तान में पेड़–पौधों तक का स्थान नहीं है। हर जगह रेत ही रेत, उमस ही उमस और धूल–मिट्टी। रेगिस्तान धरती का सबसे सूखा स्थान होता है। यहाँ कभी–कभी तो महीनों या सालों तक बारिश नहीं होती। जहाँ मैदानी या पेड़–पौधों वाले इलाकों में पशु–पक्षी अपने खाने–पीने का इंतज़ाम कर लेते हैं। वहीं रेगिस्तान के जीव–जंतु पानी के लिए तड़पते हैं। मैदानी स्थानों की अपेक्षा रेगिस्तान में रहने वाले जीव–जंतुओं का जीवन जीना अत्यंत दुष्कर होता

है। मैदानी इलाकों में जहाँ हरे-भरे फूलों वाले पौधे हैं वहीं दूसरी ओर रेगिस्तान में कँटीले-झाड़ियाँ होती हैं। जिनमें केवल वसंतु ऋतु में थोड़े रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं।

8. ऊँट दो प्रकार के होते हैं। एक कूबड़ वाले और दो कूबड़ वाले। भोजन के अभाव में ऊँट को ऊर्जा उनके कूबड़ में स्थित वसा से मिलती है।
9. ऊँट रेगिस्तान के कठिन हालातों का सामना कर पाता है इसीलिए ऊँट को रेगिस्तान का जहाज़ कहा जाता है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–

1. नेवले समूह में शिकार करना पसंद करते हैं।
   उदेश्य–नेवले
   विधेय–समूह में शिकार करना पसंद करते हैं।
2. मादा नेवला लगभग एक ही समय में बच्चे देती है।
   उदेश्य–मादा
   विधेय–लगभग एक ही समय में बच्चे देती है।
3. ऊँट रेगिस्तान का प्रमुख जंतु है।
   उदेश्य–ऊँट
   विधेय–रेगिस्तान का प्रमुख जंतु है।
4. उस विशालकाय हाथी ने नदी में स्नान किया।
   उदेश्य–उस विशालकाय हाथी
   विधेय–नदी में स्थान किया।

ख. नीचे लिखे शब्दों का अलग-अलग अर्थ लिखिए–

1. काफ़ी-कॉफ़ी –
   काफ़ी – पर्याप्य कॉफ़ी – पीने वाली
2. बार-वार –
   बार – फिर से वार – हमला
3. हंस-हँस –
   हंस – एक पक्षी हँस – हँसना

ग. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

शब्द	**भाववाचक संज्ञा**
आवश्यक	आवश्यकता
काँटा	कँटीला
पूजना	पूज्यनीय
ज़हर	जहरीला
अच्छा	अच्छाई
रेगिस्तान	रेतिला
प्यासा	प्यास
बहादुर	बहादुरी

घ. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति रंगीन शब्दों के विलोम शब्द से कीजिए–

1. वह साँप जीवित नहीं **मृत** है।
2. गीला कपड़ा धूप में डाल दो और **सूखा** कपड़ा उठा ले आओ।
3. पक्षी ठंडे स्थानों से अपेक्षाकृत **गरम** स्थानों में प्रवास करते हैं।
4. उसके परिवार में चार पुरुष तथा तीन **स्त्रियाँ** हैं।

ङ. निम्नलिखित सहचर शब्द युग्मों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. रंग-बिरंगा – मैंने कल रंग-बिरंगा पक्षी देखा।
2. जीव-जंतु – जंगल में अनेक जीव-जंतु होते हैं।
3. आस-पास – मेरे घर के आस-पास पार्क हैं।
4. नदी-नाला – घर के पास के नदी-नाला साफ होना चाहिए।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) भारतभूमि की संपत्ति 2. (ii) बहादुर सिंह
3. (i) रंग 4. (i) देवता
5. (i) एक 6. (ii) 14 नवम्बर को
7. (ii) माँ 8. (iii) पढ़ने में
9. (ii) ऊँट 10. (i) विहग

ख. रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

1. दवा खाने से ही रोगी व्यक्ति **निरोगी** हो सकता है।
2. **लोगों** को उस पर अपार **श्रद्धा** है।
3. उस **श्रृंखला** को मैं कभी तोड़ना नहीं चाहूँगा।
4. रेगिस्तान धरती का सबसे **सूखा** स्थान होता है।
5. किसान के लड़के का नाम **नंदलाल** था।

ग. किसने - किससे कहा?

1. बुद्धा लाल ने माँ से।
2. बाबा भारती ने खुद से।
3. साधु ने किसान से।
4. आचार्य ने दीपक से।

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सरस्वती का पावन मंदिर यह समस्त प्राकृतिक वस्तुएँ रूपी संपत्ति है।
2. बाबा भारती अपने सुंदर घोड़े सुलतान को देखकर मुग्ध होते थे।
3. मूसलाधार बारिश होने से गाँव के पास वाली नदी में बाढ़ आ गयी।
4. नेहरू जी का कहना था कि भारतीय जनता ने मुझे इतना प्रेम दिया कि मैं चाहे जो भी करूँ वह बहुत कम होगा।
5. अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है। अनु + शासन अर्थात् शासन के पीछे चलना या नियमों का पालन करना।

च. सही कथन के सामने सही (✓) और गलत कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✗) 5. (✗)

छ. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए–

1. सिक्का जमाना – अपनी हुकूमत करना।
2. कचूमर निकालना – बुरी तरह से नष्ट करना।
3. भीगी बिल्ली बन जाना – डर जाना।
4. लट्टू होना – मोहित होना।
5. आँखें दिखाना – गुस्सा करना।

ज. छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 रहीम के दोहे

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) बिगड़ी बात 2. (i) दु:ख में
3. (iii) सरवर 4. (ii) पान

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुजान अपनी संपत्ति दूसरों की भलाई के लिए रखते हैं।
2. किसी से कुद माँगने से इज्जत समाप्त हो जाती है।
3. सुख में सुमिरन करने से दुख नहीं मिलता।
4. राजाओं का राजा वह होता है जो दूसरों के दुख को अपना समझकर उसके निवारण हेतु कार्य करे।
5. जिस प्रकार एक तलवार काटने का कार्य करती है। घायल करती है, भागों में बाँट देती है उसकी प्रकार सुई का कार्य दो चीज़ों को जोड़ने का काम करती है। इसमें महत्वपूर्ण कार्य सुई का है।
6. वृक्ष और तालाब के उदाहरण से हमें नीति संबंधी यह बात समझाई गई है कि ये दोनों जिस प्रकार अपने फल और पानी का स्वयं इस्तेमाल न करके दूसरों को देते हैं अर्थात् परोपकार करते हैं उसी प्रकार हमें भी इनसे प्रेरणा लेकर परोपकार की भावना अपने मन में रखनी चाहिए।
7. बिगड़ी बात को लाख कोशिशों से भी नहीं बनाया जाता क्योंकि एक बार रिश्तों में दरार होने पर उसे वापिस जोड़ना तो मुमकिन है पर दिलों में गाँठ पर जाती है। जो कोशिश करने पर दूर नहीं जा सकती।
8. सुई का उदाहरण हमें ये शिक्षा देता है कि हमें हमेशा जोड़ने का काम करना चाहिए। क्योंकि इतनी-सी होने पर भी सुई बड़े-बड़े काम कर देती है।
9. रहीम जी हमें सुख से दुख दोनों में ही भगवान को याद करने की शिक्षा देते हैं।
10. अपने मन से चाह और चिंता मिटा देने से व्यक्ति चिंता मुक्त, प्रसन्न और बेपरवाह हो जाता है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों के 2-2 पर्यायवाची लिखिए–

1. तरूवर – पेड़, वट
2. सरवर – तालाब, सरोवर
3. तलवार – असि, कृपाण
4. चाह – इच्छा, कामना
5. नैन – नयन, आँख
6. दूध – दुग्ध, क्षीर

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. लघु – दीर्घ 2 दु:ख – सुख
3. सुजान – कुजान 4. हित – अहित
5. आदर – निरादर

ग. अनुप्रास अलंकार का दो अन्य उदाहरण लिखिए–

1. तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।
2. चारु चंद्र की चंचल किरणें।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 स्वावलंबी बनो

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) गेहूँ पिसवाकर लाने के लिए
2. (ii) उसे शर्म महसूस हो रही थी
3. (ii) रिंकू का मित्र

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. घर में आटा खत्म हो जाने के कारण माँ रिंकू से गेहूँ पिसवाकर लाने को कह रही थी।
2. रिंकू को शर्म आ रही थी इसलिए वह आटा पिसवाने से मना कर रहा था।
3. रिंकू ने काम न करने के लिए दलील देते हुए कहा कि मैं यह काम नहीं करूँगा, मैंने यह काम पहले कभी नहीं किया है और यह भारी डिब्बा मुझसे नहीं उठ पाएगा।
4. आटा पिसवाने में ज़्यादा समय लगने के कारण रिंकू अपने मित्र संजय के पास समय बिताने गया।
5. संजय अपनी दुकान में झाड़ू लगा रहा था।
6. रिंकू की बात का संजय ने उत्तर देते हुए कहा कि अपना काम करने में शर्म कैसी? और हमारे स्कूल में भी तो यही सिखाया जाता है कि स्वावलंबी बनो।

ग. छात्र स्वयं करें।

घ. छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

क. मूल शब्दों में निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करते हुए नवीन शब्द बनाइए–

अभिमानी	असफलता	स्वतंत्रता
बेकारी	अपमानित	सुलभता

ग. निम्नलिखित उपसर्ग तथा प्रत्ययों का प्रयोग करके शब्द बनाएँ–

अ + सफल + **ता** = **असफलता**
अनु + करण + **ईय** = **अनुकरणीय**
अ + सक्षम + **ईय** = **अक्षमीय**
इज़्ज़त + **दार** = **इज्जतदार**

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 सच्चा हितैषी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. अ 2. खूब 3. उप
4. अव 5. वि

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रवि को हॉस्टल छोड़ते वक्त माँ ने कहा कि– बेटा! तुम्हारे पिताजी की यही इच्छा थी कि मैं तुम्हें खूब पढ़ाऊँ। मैं भूखी रह लूँगा, पर तुम्हें कोई तकलीफ नहीं होने दूँगी। तुम मन लगाकर पढ़ना और अपने पिताजी का सपना पूरा करना।
2. नहीं।
3. रात भर किशन रवि के बारे में ही सोच रहा था इसलिए सो न सका।
4. किशन ने रवि से पढ़ने के लिए कहा तो रवि ने कहा कि तुम बेकार ही परेशान होते हो, मैं बस उतना ही पढ़ता हूँ जितना ज़रूरी है।
5. रवि को रास्ते पर लाने के लिए किशन ने मंदिर के पुजारी के साथ मिलकर एक गुप्त योजना बनाई।

6. मंदिर वाली बात से रवि बिल्कुल बदल गया उसने पूरी लगन व परिश्रम से पढ़ाई करना शुरू कर दिया।
7. वार्षिक परीक्षा में रवि ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ग. रिक्त-स्थान भरिए–

1. रवि उन्हें **हॉस्टल** के फाटक तक पहुँचाने गया था।
2. लेकिन दूसरे लड़के भी अब उसे **नापसंद** करने लगे हैं।
3. उनके सपनों को **जानबूझकर** कर मिटा रहे हो।
4. **दर्शन** करने वालों की भीड़ लगी रहती है।
5. शाम को कमरे में आकर **होमवर्क** करने बैठ गया।
6. किन्तु मुझे न **आश्चर्य** था न अफ़सोस।

घ. सही वाक्य के सामने (✓) चिह्न लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓)
4. (✓) 5. (✓)

भाषा और व्याकरण

क. निम्न शब्दों में 'इन' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पुजारी	पुजारिन	सुनार	सुनारिन
लुहार	लुहारिन	धोबी	धोबिन
नाई	नाईन	चमार	चमारिन
कहार	कुम्हारिन		

ख. निम्नलिखित के लिए उपयुक्त लोकोक्तियाँ लिखिए–

काम अपने आप बन जाना
(आम के आम गुठलियों के दाम)
जबदस्ती गले पड़ना
(बेगानी शादी में अब्दुल्ला दिवाना)
एक के बाद दूसरी मुसीबत आना
(आगे कुआँ पीछे खाई)
एक प्रयत्न से दो काम बन जाना
(आम के आम गुठलियों के दाम)
डींग मारने वाले काम नहीं किया करते
(जो गरजते हैं वो बरसते नही)
अवसर के अनुसार बदल जाना
(गगां आए तो गगां दास, जमुना गए तो जमुना दास)

ग. विलोम शब्द–किसी शब्द के उल्टे अर्थ का बोध कराने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं; जैसे–

उल्टा =	सीधा	सत्य =	असत्य
अच्छा =	बुरा	सच्चा =	झूठा
मान =	अपमान	यहाँ =	वहाँ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 बाल अवस्था की यादें

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) जीजी 2. (i) चचेरे भाई ने
3. (ii) कैस्टर ऑयल 4. (ii) क्रांति
5. (i) हवाई-जहाज की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह मोजे धोने के बाद अपने जूते पॉलिश करती।
2. लेखिका बचपन में चॉकलेट, टॉफी कॉफल चने मज़ा ले-लेकर खाती थी।
3. लेखिका की आँखें कमज़ोर हो जाने के कारण लेखिका को चश्मा लगाना पड़ा।
4. पहले लेखिका रंग-बिरंगे कपड़े पहना करती की पर अब सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनना पसंद करती।
5. गरम चने की पुड़िया।
6. जहाँ लेखिका के समय में रेडियो, टेलीविजन नही थे केवल ग्रामोफोन थे। उनके बचपन में कुल्फी थी। कचौड़ी समोसा था, शहतूतए फालसे के शरबत थे जिनका रूप आज के समय में फोल्ड डिंकए आइसक्रीम पेटीज ने तो लिया था। साथ ही साथ ही साथ पहनावे में भी बहुत अतंर आ गया है।
7. शिमला के कॉफल चने जोर गरम, अनारदाने का चूर्ण ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल और फालसे, आदि अनेक चीजे थी जो लेखिका को बचपन में पसंद थी।

8. शिमला में जब भी हवाई जहाज के उड़ने की आवाज आती तो बच्चे बाहर चिल्लाते हुए दौड़ते। ऐसा लगता मानो पक्षी भारी भरकम पंख फैलाए उड़ उहे हो। गाड़ी के मॉडल वाली दुकान के आगे एक ओर जो लेखिका को आज भी याद है। उसने वहाँ घोडो की सवारी भी की। जाखू का पहाड़ और ऊँचा चर्च मनमोहक था।
9. लोग कहते–इतनी सी उम्र मे चश्मा, तो कोई कहता लगूंर की सूरत लग रही है। पर लेखिका कहती–इसकी जिम्मेदार मैं ही हूँ अगर मैं रात में टेबल लैंप के सामने बैठकर न पढ़ती तो आज मेरी आँखों में चश्मा न होता।
10. जब लेखिका ने पहली बार चश्मा लगाया तो वो बहुत परेशान हुई, बहुत खीझी। घंटों आइने के सामने खड़ी होकर खूद को देखती पर बार–बार चश्मा लगाने से उसके चेहरे के साथ चश्मा घुल–मिल गया तो उसे अच्छा लगने लगा। अब बिना चश्मा उसका चेहरा खाली–खाली लगने लगता।

ग. दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. (बाल अवस्था की यादें)
2. क्योंकि यहीं लेखिका का पहला चश्मा बना था।
3. कि दूध पिया करो, कुछ देर पहन कर चश्मा उतार दिया करो।
4. लेखिका खुद थी क्योंकि वह दिन के उजाले को छोड़कर रात में टेबल लैंप के सामने पढती थी।

भाषा और व्याकरण

क. क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनती हैं।

हड़पना	–	हड़प	पलटना	–	पलट
चिढ़ना	–	चिढ़	समझना	–	समझ
भागना	–	भाग	मारना	–	मार

ख. 'चार दिन', 'कुछ व्यक्ति' आदि शब्दों में 'चार' और 'कुछ' शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है। ये संख्यावाचक विशेषण हैं। 'चार दिन' से निश्चित संख्या का बोध होता

क. निश्चित संख्यावाचक
ख. निश्चित परिमाणवाचक
ग. अनिश्चित संख्यावाचक
घ. अनिश्चित परिमाण
ङ. अनिश्चित संख्यावाचक

ग. ऐसे शब्द, जो दूसरी भाषा से आए हैं और अब हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें विदेशी शब्द कहते हैं।

ग्रामोफोन	कुल्फी
फिल्म	फ्रिल

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–14 अँधेर नगरी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) गोवर्धनदास 2. (iii) मिठाई
3. (i) कल्लू बनिया 4. (i) राजा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हर चीज का भाव सुनकर गोवर्धनदास बहुत खुश हुआ और सोचने लगा यहाँ तो सब कुछ टके सेर मिलता है।
2. ''अँधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।''
3. महंत ने अपने चेले गोवर्धनदास को पश्चिम की ओर और नारायण दास को पूख की ओर भेजा।
4. फाँसी के फँदे के लायक मोटा होने की वजह से सिपाही गोवर्धनदास को फाँसी पर चढ़ाने के लिए पकढ़ने आए थे।
5. अतं में फाँसी राजा को ही दी गई।
6. मंत्री ने सोचा कि कही यह बेवकूफ इस बात पर सारे शहर को न फूँके दे या फाँसी दे दे।
7. गुरु के यह झूठ कहने पर कि जो इस समय फाँसी चढेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा, यह सुनते ही सब फाँसी पर चढ़ने को तैयार हो गए ओर गुरु ने अपने चेले को बचा लिया।
8. महंत जी के अनुसार जहाँ सब चीजे टके सेर मिलती है वहाँ रहना खरते से खाली नही। यह सोचकर महंत जी

अंधेर नगरी में नही सके। लेकिन गोवर्धनदास को वह देश सस्ता लगा इसलिए वह वही रूक गया।

9. फरियादी की फरियाद से कल्लू बनिए, कारीगर, चूने वाले, भिश्ती, कसाई, गड़रिए, कोतवाल को दरबार में बुलाया गया क्योंकि ये सभी कही न कही दीवार के गिरने के कारण बनें।

10. चौपट राजा मंदबुद्धि था। जो उसे कुछ कहता वह वैसा ही करता। उसने बिना सोचे न्याय करना शुरू किया जिससे यह लगता है कि वह न्यायप्रिय और सही राजा नही था। उसका न्याय करने का ढंग गलत था।

ग. किसने, किससे कहा-

	किसने	किससे
1.	महंत ने	गोवर्धनदास से
2.	राजा ने	कोतवाल से
3.	महंत ने	मंत्री से
4.	राजा ने	सिपाही से
5.	महंत ने	गोवर्धन दास से

भाषा और व्याकरण

क. वाक्य का वह भाग जो दर्शाता है कि वाक्य किसके लिए है, उसे उद्देश्य कहते हैं। वह भाग जो उद्देश्य के बारे में जानकारी देता है, उसे विधेय कहते हैं।

क. उद्देश्य – मेरी बकरी
विधेय – कल्लू बनिये की दीवार के नीचे दबकर मर गई।

ख. उद्देश्य – मैं
विधेय – निर्दोष हूँ।

ग. उद्देश्य – कोतवाल साहब
विधेय – की सवारी आ रही थी।

घ. उद्देश्य – गोवर्धनदास
विधेय – मिठाई खा-खा कर बहुत मोटा हो गया है।

ङ. उद्देश्य – मैंने
विधेय – तो तुम्हें पहले भी समझाया था।

च. उद्देश्य – नारायण
विधेय – सब ठीक करेंगे।

ख. वर्ण-विच्छेद:-

क. ख.
ग. घ.

ग. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए-

क. विद्या+ आलय ख. जगत + ईश
ग. सूर्य + उदय घ. परिणाम + स्वरूप

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित सर्वनाम लगाकर वाक्य दुबारा लिखिए:

1. राज बीमार वह सो रहा है।
2. आगरा में है। उसे देखने देश-विदेश से लोग आते हैं।
3. धरती सूरज के आस-पास घूमती है। इस पर ही जीवन संभव है।
4. अध्यापक हिंदी पढ़ा रहे हैं। वे पाठ अच्छे ढंग से समझाते हैं।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 हँसों और हँसाओ

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

1. (ii) संत तुकराम 2. (i) प्रेमचंद
3. (iii) नेहरू 4. (ii) मेहनती
5. (i) तीन

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. विश्वास करने योग्य एक सच्च मित्र होता है। जो हमें हसाँए और खुद भी हसँता रहे। यह पाठ का मुख्य आधार 'विनोद' है। इस पाठ में लेखक ने राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक जीवन में रोचक प्रसंग प्रस्तुत किए है। विश्वसमीय और हसंमुख मित्र आमोद-प्रमोद करके हमारा मनोरंजन करता है।
2. हममें खुलकर हँसने की क्षमता की कमी होने के कारण समाज में लड़ाई-झगड़े होते है।
3. प्रेमचंद को
4. जो हँस नही सकता, वह स्वंय भी दुखी रहता है और दूसरों को भी दुखी करता है जहाँ लोग खुलकर हँसते है वहाँ वे लोग मृकुटि ताने खड़े रहते है। सब हसँमुख

लोग अपना समय हसँकर बिताते है परंतु जो उदास ही रहता है वह अपने जीवन को खुद कष्टमय बना डालता है जिस कारण वह दया का पात्र बन जाता है।

5. स्टालिन तानाशाह थे, किसी से भी डंडे के बल पर अपनी बात मनवाता था परंतु गांधी जी हसँते रहते थे स्वयं की भी गलतियों पर दिल खोल कर हँस सकते थे दूसरी तरफ स्टालिन से ऐसी आशा नही की जा सकती। दोनो में समानता यही थी दोनों से जबरदस्ती कोई कुछ भी काम नही करवा सकता था।
6. हसँना एक नियामत है जो हसँता नही है वह दुखी जीवन व्यतीत करता है। जो हसँ सकता है वह मित्र बनाने योग्य है क्योंकि ऐसा मित्र हमें मुश्किलों में भी हँसते रहने की सीख देता है। ऐसे लोग जीवन में कभी परेशानी महसूस तक नही करते।
7. हिटलर अंदर ही अंदर सुलगता रहता था। नेपोलियन भी धुनने स्वभाव का था और साथ ही अंतर्मुखी प्रवृत्ति का भी। हिटलर और नेपोलियन निश्चय ही महान थे अद्‌भुत शक्तियों के स्वामी थे परंतु उन्होंने अपनी सामर्थ्य का उपयोग लोगों की भलाई के लिए नही किया इस कारण वे महान नही बन पाए।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए-

1. इन पंक्तियों के कहने का आशय यह है कि यह जीवन एक सग्रांम (युद्ध) के समान है जो मेहनती होता है वह जीतता रहता है पर जो थक जाता है था परिश्रम नही करता वह हमेशा पीछे रहता है। हमें इस सग्रांम को एक धर्मयुद्ध बनाना होना जिससे हम हँसते-हँसते लडे, मुँह में चमक लाए न कि मनहूसियत फैलाए।
2. आशय - इन पंक्तियों को कहने का आशय है कि हँसी फेक या बनावटी न होकर स्वच्छंद होनी चाहिए जिसे देखकर या सुनकर दुसरा भी मन से खुश हो, न कि हमारी बनावटी हँसी उसे उदासी के माहौल में घेर ले।

भाषा और व्याकरण

क. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए-

1. गाँधी
2. वांचित
3. प्रवृत्ति
4. दुर्जनों
5. भ्रुकुटी
6. निर्विकार

ख. निम्नलिखित शब्द युग्मों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

1. मस्त - मगन
   वाक्य - रीमा रामलीला देखने में मस्त थी।
   त्रस्त - नष्ट, बेकार
   वाक्य - बाढ़ ने सब कुछ त्रस्त कर दिया
2. निश्छल - पवित्र
   वाक्य - बच्चों का मन निश्छल होता है
   निश्चय - पक्का
3. सम्मान - इज्जत
   वाक्य - सेठ जी को सम्मान मिला।
   समान - बराबर
   वाक्य - हम सब समान है।
4. मुद्रा - रूपया/पैसा
   वाक्य - रोहन के पास बहुत मुद्रा है।
   मुर्दा - शव
   वाक्य - कल शाम किसी का मुर्दा शरीर घर के आगे से जा रहा था।

ग. निपात वे अव्यय शब्द हैं जो वाक्यों में किसी शब्द के बाद बल देने के लिए लगाए जाते हैं।

1. भी
2. तो
3. तो
4. तफ
5. मात्र

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 गुलामी से आजादी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

1. (iii) शुक्ला जी
2. (i) अभागा
3. (i) पिंजरे में

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. तोता पंडित जी के मजबूत मकान में रह रहा था, दाना पानी खा रहा था यह सोच वह खुश था।

2. पिंजरे का तोता न तो खुशी हवा में घूम रहा था न अपनी मर्जी से कुछ खा पी रहा था इसलिए जगली तोते को पिंजरे का तोता अपने जैसा नही लगा।
3. पिंजरे का तोता स्वतंत्रता और गुलामी के अतंर को समझ नही पा रहा था इसलिए जगंली तोते की नजर में वह अभागा था।
4. पिंजरे को तोता अपनी खुशकिस्मती मानता था कि उसका स्वामी उसे खिलाता-पिलाता उसकी खुद रक्षा करता है यह मान वह अपने को श्रेष्ठ बता रहा था।
5. पंडित जी ने अपने बेटे को कहा कि - इस जंगली तोते को मारकर उड़ा दो। इसी ने हमारे तोते को मारा है''
6. जंगली तोते ने पिंजरे के तोते को सलाह देते हुए कहा कि तू अपने मालिक भी बात मत मानना।
7. पिंजरे का तोता मरने के उपरांत ही उस पिंजरे से स्वतंत्र हुआ।
8. जंगली तोते ने पिंजरे के तोते को यह समझाते हुए कहा कि- जिसे तू अपना घर समझ बैठा है वह तेरे पाँव पर पड़ी जंजीर है। तूने अपना खाना-पीना मरना-जीना किसी दूसरे के हाथों सौंप दिया है। तू अब जीवन के मजे नही लूट पाएगा। तू हर चीज के लिए अपने मालिक पर निर्भर है इसलिए तेरा मालिक और यह पिंजरा ही तेरा दुर्भाग्य बन चुका है।
9. हम दोनो तोतो में से खुले आकाश में घूमने वाले तोते का जीवन श्रेष्ठ मानते है क्योंकि न उस पर किसी दवाब का असर है न वह किसी पर निर्भर है और किसी पर निर्भर होना तो मर जाने के समान है।

ग. आशय स्पष्ट

1. आशय - यहाँ कहने का आशय है कि जंगली तोता पिंजरे के तोते को बोलना चाढ़ रहा है कि तू आजादी और गुलामी के अंतर को पहचान नही पा रहा है। लगता है मानो तुझे स्वतंत्र रहना पसंद नही।
2. इन पंक्तियों में भी जंगली तोते ने बड़े सुंदर ढंग से जीवन की सच्चाई के प्रति पिंजरे के तोते को परिचित कराया है कि जीवन में अगर मुसीबत का सामना न हो तो वह जीवन व्यर्थ है। स्वतंत्र रहकर मैं अनेक मुसीबतों का सामना कर पाने में सक्षम हूँ तू बस पिंजरे में रहता हुआ भी मृत के समान है।
3. इन पंक्तियों को कहने का आशय है कि पिंजरे में रह रहे तोते को जंगली तोते ने जीवनदान दिया है वरना उसकी पिंजरे में जो हालत होती वह सहन नहीं कर पता कैद में रहने से तो अच्छा मरने पर आजादी है।
4. जंगली तोते ने यह पंक्ति पिंजरे वाले तोते को कही जिसका आशय है कि पिंजरे में कैद होने के बाद तो तेरा तुझ पर कोई अधिकार नही। इसमें तो तेरा मरना जीना सब तेरे मालिक के हाथों में सर्पित है।

भाषा और व्याकारण

घ. उचित स्थानों पर उचित विराम चिह्न लगाइए:

1. जंगली तोते न पूछा - ''भाई! तू कैसा पंछी है?''
2. तूने अपना जीना, मरना, खाना, पीना दूसरे के हाथ में सौंप रखा है।
3. तोते ने सोचा कि- ''मैं इसका गुलाम नही हूँ'' और बिना जवाब दिए छाती पर दूसरा घाव खाकर, दूसरी तरफ हट गया।
4. जंगली तोते ने कहा- ''जब गुलाम अपने मालिक की बात नही मानता तो उसका सही हाल होता है।''

ङ. **संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।** जैसे:- जंगली तोता विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खीजिए:

1. जंगली तोते को चूरी दो।
2. उसने एक लंबी सींक पिंजरे में डाली।
3. भारतीय सैनिक बहादुर हैं।
4. कुछ लड़के शरारत कर रहे हैं।
5. लाल गुलाबों को गुलदस्ता बना दो।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 परिश्रम का तंत्र

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) परिश्रम
2. (i) मुखिया
3. (iii) हाथी
4. (ii) आमोद–प्रमोद
5. (i) रमेश

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रमेश ने चबूतरा आपस में बातचीत और आयोद प्रमोद करने करने के लिए बनाया।
2. हाथियों ने रमेश और उसके साथियों को इसलिए नही कुचला क्योंकि उन्होंने कभी जीवों को कष्ट नही पहुँचाया था। वो सभी जीवों से प्यार करते थे।
3. सारी असलियत जानने के बाद अपने किए गए अनुचित व्यवहार के लिए राजा ने रमेश और उसके साथियों से क्षमा माँगी।
4. मुखिया गाँव की प्रगति से बिल्कुल भी प्रसन्न नही होता था इसलिए वह गाँव वालो के काम में बाधा डालता था।
5. रमेश ने अपने साथियों को समझाते हुए कहा कि चुपचाप लेटे रहना हाथी को प्यार से देखना और गुस्से में कोई बुरे विचार मन में मत लाना।
6. रमेश के पास परिश्रम नामक तत्रं–मंत्र था
7. रमेश और उसके साथियो ने गाँववालो के साथ मिलकर यथाशक्ति तालाब कुएँ खुदवाएँ हार और सड़के बनाकर गाँद का कायाकल्प कर दिया।
8. अंत में राजा ने रमेश को गाँव का प्रबंधक नियुक्त कर एक हाथी भी सम्मानपूर्वक भेंद किया।
9. मुखिया इसलिए दुखी और परेशान थे। क्योंकि जो बुरे कामों से इन्हें जुर्माने के रूप में आमदनी होती थी वह अब बंद हो गयी थी।
10. रमेश के चरित्र की विशेषताएँ–

    रमेश बहुत ही परिक्षमी थ। उसको हर काम करने का जुनून रहता था चाहे वो काम गाँव वालो की भलाई के लिए ही क्यों न हो।

    रमेश परिश्रमी होने के साथ बुद्धिधमान व्यक्ति भी था। उसकी बुद्धिमानी का पता उस समय चलता है जब उसने अपने और अपने मित्रों को हाथियों से बचाया। उसे अच्छे बुरे का ज्ञान था इस कारण अंत में उसे राजा ने गाँव के प्रबंधक के रूप में चुन लिया।

ग. किसने, किससे कहा–

	किसने	किससे
1.	रमेश ने	आदामियों से
2.	मुखिया ने	राजा ने
3.	रमेश ने	अपने साथियो से
4.	राजा ने	सिपहियो से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य पर गोल लगाइए और विधेय को रेखांकित कीजिए:

1. (कोमल) कक्षा में प्रथम आई है।
2. (मेरा भाई) आगरा घूमने गया है।
3. (माँ) में राहुल को प्यार से सुलाया।
4. (दिल्ली) हमारे देश की राजधानी है।
5. (चोर) सारा सामान लेकर भाग गया।

ख. निम्नलिखित शब्दों के भिन्न अर्थ लिखिए और उनके वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए:

क.	जल	पानी	नदी का जल बहुत ठंडा है।
		जल जाना	वह आग से जल गया।
ख.	कर	करना	बच्चा अपना काम कर रहा है
		हाथ	उसका कर जल गया।
ग.	गति	चाल	उस हाथी का गति धीमी है।
		जाना	मोहन घर के लिए गतिमान हो गया।
घ.	उत्तर	दिशा	मेरा घर उत्तर दिशा में है।
		जवाब	उसने सही उत्तर दिया।
ङ.	काल	समय	काल गतिशील है।
		मृत्यु	रावण काकाल जल्दी ही आ गया था।

घ. दिए गए वाक्यों में रेखांकित कारक के सही भेद में (✓) का निशान लगाइए:

1. करण कारक
2. कर्म कारक
3. संबोधन कारक
4. अपादान कारक
5. संबंध कारक

ङ. निम्नलिखित तद्भव शब्दों का उनके तत्सम रूप से मिलान कीजिए:

	तद्भव	तत्सम
क.	मैदान	क्षेत्र
ख.	हाथ	हस्त
ग.	पैर	पाद
घ.	हाथी	पाद
ङ.	पानी	जल
च.	गाँव	ग्राम
छ.	प्यार	प्रेम
ज.	घर	गृह

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-18 एक गंभीर समस्या

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) चार
2. (i) 78.09%
3. (iii) पत्तियाँ
4. (i) श्रवण शक्ति
5. (iii) मौसम चक्र

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पर्यावरण-प्रदूषण आज संपूर्ण विश्व की समस्या है। मानव ने ही इसे जन्म दिया है। आज जनसंख्या वृद्धि मौसम चक्र में बदलाव यह सब प्रदूषण को लगातार बढ़ाने वाले कारक हैं।
2. चिपको आंदोलन के अनुसार जब कोई पेड़ काटता था तो चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता उन पेड़ो से चिपक जाते थे और उन्हे काटने से बचाते थे।
3. वायु प्रदूषण लगातार गाड़ियो के निकलने वाले धुएँ फैक्ट्रियों के धुएँ और पेड़ पौधो के कटने से होता है। वायु प्रदुषण होने से कैंसार, हृदय रोग, रक्तचाप, दमा आदि विभिन्न रोग फैल रहे है।
4. नदियों में कल-कारखानों से निकलने वाली गंदगी प्रवाहित की जाती है। लोग कचरा नदियों में भी डालने लगे है जिससे जल प्रदूषित होता जा रहा है और जल प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए हमें जागरूक होना पड़ेगा और नदी नालो के पानी में गदंगी वे कचरा डालने वालों कारकों पर रोक लगानी होगी।
5. आजकल गाड़ियों के हार्न, लाउडस्पीकरों रेडियों टी०वी की ऊँची आवाजों के कारण ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है। तेज ध्वनि के कारण हमारी श्रवण शक्ति पर बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही हृदय गति भी प्रभावित होती है।

ग. आशय स्पष्ट

1. **आशय** - आज भारत विकासशील देश है। पर प्रदूषण हमारे देश के प्रमुख कारको को प्रभावित कर रहा है। इसलिए मानव को जागरूक होना पड़ेगा जिससे भारत अपने औद्योगिक क्षेत्रों में बहुतायत से उन्नति कर सके और विकासशील देश से विकसित देश में बदल जाए।
2. **आशय** - पृथ्वी तभी सुरक्षित है जब हमारा पर्यावरण सतुंलन भी सुरक्षित हो, सुदंर हो क्योंकि पर्यावरण सतुंलन बिगड़ने पर पृथ्वी भी डॉवार्डोल हो सकती है। जब हमारी धरती प्रदूषण मुक्त होगी तब यहाँ जीवन संभव हो पाएगा।

भाषा और व्याकरण

क. वचन बदलिए-

1. पत्ती
2. वनस्पति
3. आवश्यकता
4. वृक्ष

ख. उपसर्ग या प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए- जैसे शत्रु - शत्रुता

1. विर्षला
2. आवश्यकता
3. अस्वस्थ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-19 मत बाँटों इंसान को

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) इंसान 2. (i) दीपक
3. (iii) प्यार 4. (i) बहार

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रेगिस्तान।
2. दीपक केवल महलो में ही उजाला करने को मजबूर है क्योंकि वह वहाँ का बंदी बन कर रह गया है।
3. मौसम की।
4. इसांन को इंसानियत से मिलाने की मंजिल दूर है।
5. इसांन को बाँटने का मतबलए उनके बीच जाति धर्म का भेद लाना है।
6. प्यार रूपी जल द्वारा चट्टान की प्यास बुझाई जा सकती है।
7. सबके एक साथ आने से सुरक्षा होगी।
8. यह कविता हमें मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देती है।

ग. आशय स्पष्ट

1. इन पंक्तियों का आशय है कि अगर हम एक जुट होकर कदम बढाएँ तो सभी सुरक्षित भी महसूस कर सकते है। क्योंकि एकता में बल है। हमें एक–साथ रहकर आपसी प्रेम बढ़ाकर हर मायूस घर–आँगन को खुशियों रूपी बहार से भना होना। हर मनुष्य या हर घर का हक हो कि वह स्वतंत्र विचरण कर सके, आपसी प्रेम बाँट सके। कदम से कदम मिलाकर चल सके सबकी उन्नति का कामना करे।
2. आशय – कहने का तात्पर्य यह है कि महलो में जिस प्रकार दीपक की रोशनी बंधक बन कर रह जाती है तो उसका खुद का अस्तित्व खत्म हो जाता है। दीपक भी मजबूर होकर केवल वही तक रोशनी कर पा रहा है अर्थात् हमें सबके मन से अज्ञान रूपी अंधकार मिलाकर ज्ञान का प्रकाश फैलान होगा।

भाषा और व्याकरण

क. शब्दों के विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

बंदी	आज़ाद
खिलना	मुरझाना
आरंभ	अंत
हरी–भरी	अंत
प्यार	नफ़रत

ख. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए:

क.	इसांन	ख.	ऊपर
ग.	मौसम	घ.	चट्टान
ङ.	रौंद	च.	प्यासी

ग. सभी समान अर्थ वाले शब्दों को हम पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

1. धरती – भू, नभ, धरा
2. सूरज – शशि, रवि, दिनकर
3. सागर – रत्नाकर, समुद्र, मरूस्थल
4. जग – दुनिया, परमेश्वर, संसार

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-2

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) बिगड़ी बात 2. (ii) रिंकू का मित्र
3. (iii) जीजी 4. (ii) गोवर्धनदास
5. (iii) मौसम चक्र 6. (iii) शुक्ला जी
7. (i) परिश्रम 8. (i) 78.09%
9. (ii) इंसान 10. (iii) प्यार

ख. रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

1. हॉस्टल 2. सुख
3. किसने 4. दुध को
5. मदद

ग. किसने- किससे कहाँ?

1. सजंय ने रिकूं से
2. माँ ने रिकूं से
3. महंत ने अपने चेलो से
4. गोवर्धन दास ने महंत से

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुख मे सुमिरन करने से दुख नही मिलता।
2. स्वावलंबी का अर्थ है- अपना काम स्वंय करो
3. परिवार में सब लेखिका के पहनावे और व्यवहार के कारण उन्हे जीजी कहकर बुलाते थे

4. गुरू के यह कहने पर कि जो इस समय फाँसी चढ़ेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा, यह सुनते ही सब फाँसी पर चढ़ने को तैयार हो गए और गुरू ने अपने चेले को बचा लिया।
5. जो हमेशा हसँना जानता है वह तब हार में भी जीत जाता है।

ङ. सही कथन के सामने सही (✓) और गलत कथन के सामने गलत (×) का चिह्न लगाइए-

1. × 2. × 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

च. निम्नलिखित लोकोवितयाँ का अर्थ लिखिए-

1. दोहरा लाभ होना
2. आगे कुआँ पीछे खाई
3. जबरदस्ती किसी को आपना बताना
4. जबरदस्ती गले पड़ना
5. काम ने आने पर बहाना बनाना

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।